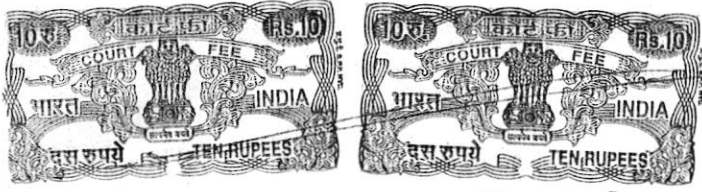


144

न्यायालय माननीय राजस्व मण्डल, म0प्र0 ग्वालियर, सर्किट कोर्ट रीवा (म0प्र0)



RS-201-

223
27-6-15

निगरानी 2535-III-15

1. धर्मन्द्र सोनी पिता रामावतार सोनी उम्र 35 वर्ष पेशा खेती निवासी ग्राम मेडियारास तहसील एवं जिला अनूपपुर (म0प्र0)
2. रामावतार सोनी पिता स्व0 नानदाऊ सोनी उम्र 65 वर्ष पेशा खेती निवासी ग्राम मेडियारास तहसील एवं जिला अनूपपुर (म0प्र0)
3. सुरेश सोनी पिता स्व0 शंकर सोनी
4. संतोष सोनी पिता स्व0 शंकर सोनी
5. भूषण सोनी पिता स्व0 शंकर सोनी
6. मुन्नी बाई उर्फ रामलती पिता स्व0 शंकर सोनी पति लक्ष्मण सोनी निवासी करौदी तहसील बरही जिला कटनी (म0प्र0)
7. रामसखी पिता स्व0 शंकर सोनी पति पड़सू सोनी निवासी बुढानपुर तहसील कोतमा जिला अनूपपुर (म0प्र0)

न.मो. 166/07 दिनांक 26-6-15
 श्रीमती राधा सोनी पति शंकर सोनी निवासी करौदी तहसील बरही जिला कटनी (म0प्र0) विरुद्ध
 श्री सुरेश सोनी पति शंकर सोनी निवासी करौदी तहसील बरही जिला कटनी (म0प्र0) विरुद्ध
 श्री संतोष सोनी पति शंकर सोनी निवासी करौदी तहसील बरही जिला कटनी (म0प्र0) विरुद्ध
 श्री भूषण सोनी पति शंकर सोनी निवासी करौदी तहसील बरही जिला कटनी (म0प्र0) विरुद्ध
 श्री मुन्नी बाई उर्फ रामलती पति लक्ष्मण सोनी निवासी करौदी तहसील बरही जिला कटनी (म0प्र0) विरुद्ध
 श्री रामसखी पति पड़सू सोनी निवासी बुढानपुर तहसील कोतमा जिला अनूपपुर (म0प्र0) विरुद्ध

क्रमांक.....
 राजस्व मण्डल ग्वालियर
 राजस्व मण्डल ग्वालियर

.....अनावेदकगण

निगरानी विरुद्ध आदेश श्री डी0पी0 अहिरवार कमिश्नर शहडोल संभाग, शहडोल (म0प्र0) द्वितीय अपील प्रकरण क्र. 227/अपील/2008-09 में पारित आदेश दिनांक 22.02.2014

निगरानी अंतर्गत धारा 50 म0प्र0 भू0रा0सं0 1959 ई0


मान्यवर,

निगरानी के आधार निम्नलिखित है :-

राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश, ग्वालियर
आवृत्ति आदेश पृष्ठ

प्रकरण क्रमांक निगरानी 2535-दो / 2015

जिला अनूपपुर

स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अभिभाषकों आदि के हस्ताक्षर
16-8-2017	<p>आवेदक अभिभाषक ग्राह्यता पर प्रस्तुत तर्कों पर विचार किया। आयुक्त शहडोल संभाग शहडोल के प्रश्नाधीन आदेश दिनांक 22-2-2014 की सत्यापित प्रति के अवलोकन किया। आयुक्त द्वारा निकाला गया निष्कर्ष प्रथमदृष्टया उचित प्रतीत होता है कि नामान्तरण सह बटवारे के के बावत पारित आदेश की अधिकारिता राजस्व निरीक्षक को नहीं है। ऐसी स्थिति में अधीनस्थ न्यायालय का आदेश गुण-दोष पर आधारित होने से हस्ताक्षेप योग्य नहीं मानते हुये अपील अमान्य की है। दर्शित परिस्थितियों में यह निगरानी आधारहीन होने से ग्राह्यता के स्तर पर ही निरस्त की जाती है। प्रकरण दाखिल रिकार्ड हो।</p> <p style="text-align: right;"> (एस0एस0 अली) सदस्य</p>	